मंदसौर से अहमदाबाद

एसी बस प्रतिदिन रात्रि 08.15बजे

(व्हाया-नीमच, उदयपुर)

जय श्री गणेश ट्रेवल्स

स्थान-महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, मंदसौर

मो-9407259243, 8871603134

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 221 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 28 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

मामला नपा कॉलोनी में व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स का...

लेटलतीफी से फिर आठ करोड़ का नुकसान..!

✲ 52 करोड़का सपना पहुंचा 60 करोड़ के पार ✲ दस साल पहले बनी थी योजना, अब कर्ज का जुगाड़

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। एक दो नहीं, बल्कि करोड़ो रूपए की लागत के कई प्रोजेक्ट नगपालिका ने तैयार किए। लेकिन, अधिकांश में लेटलतीफी के कारण कहीं न कहीं नुकसान उठाया। योजना बनाने और योजना के मूर्त रूप के धरातल पर उतरने में आने वाले बड़े समय के अंतर ने लागत को कहीं पांच करोड़ तो कहीं इससे ज्यादा महंगा कर दिया। कहीं न कहीं लापरवाही से जनता की गाढ़ी कमाई के रूपयों का नुकसान ही हुआ। इस बार फिर मामला नपा कॉलोनी में व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स का है। जिसमें भी यहीं हुआ। दस साल पहले योजना तैयार की गई। उस समय लागत 52 करोड़ थी। अब यह सपना साठ करोड़ पार पहुंच गया है। इधर नपा की आर्थिक हालत भी ठीक नहीं है, जिससे बैंकों से कर्ज लेना मजबूरी बन गया है।

अब बैंकों को इस संबंध में पत्र भेजकर प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। नपाधिकारियों के अनुसार नगरीय सीमा क्षेत्र में व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए 60.09 करोड़ रुपए न्यूनतम ब्याज पर लिए जाएंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से रजिस्टर्ड बैंकों-वित्तीय संस्थाओं को भी सूचना भेज चुके हैं। पोर्टल के जरिए ऑनलाइन टेंडर क्रय करने व ऑफर प्रस्तुत करने के लिए 30 मई की शाम तक अवधि तय हुई है। इसमें शर्तें भी रखी हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर नपा...

नगरपालिका इस प्रोजेक्ट के लिए कर्ज तो जरुर ले रही है। लेकिन, आर्थिक स्थिति नपा की डावाडोल है। नपाकर्मियों का वेतन तक समय से नहीं दे पा रहे है। दरअसल नगरीय प्रशासन मंत्रालय ने नपा को इस प्लान के लिए कोई बड़ा पैकेज उपलब्ध नहीं करवाया। कई बार देखने में आ चुका है कि नपाकर्मियों का वेतन भी देरी से मिलता है। इसे लेकर प्रदर्शन तक हो चुके हैं।

यह है आधुनिक कॉम्प्लेक्स का सपना...

प्लान के तहत नपा कॉलोनी के क्वार्टर ढहाकर 05 मंजिला इमारत में 250 दुकानें-मल्टीप्लेक्स, बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर बनाएगी। इसमें मल्टीप्लेक्स, फूडजोन, आइसक्रीम पार्लर, कैंटीन के अलावा करीब 100 ऑफिस तक संचालित हो सकेंगे। नपा द्वारा 08 हजार वर्ग मीटर में ये कॉम्प्लेक्स बनाया जाना है। नपा को यहां दुकानों की बिक्री और किराए से ही लाखों की आमदनी होने की उम्मीद है।

एक दशक पहले तैयार किया था प्लान...

करीब एक दशक पहले नपा ने एसओआर से प्लान तैयार किया था। तब यह करीब 52 करोड़ रुपए का था। 2021 का एसओआर लागू होने के बाद नपा ने दोबारा कंसल्टेंट नियुक्त किया व डीपीआर में संशोधन किया। इसके बाद प्रोजेक्ट की लागत बढ़कर 58.78 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। जानकारों का कहना है कि इसके लिए नपा ने पूर्व में भी कई बार प्रयास किए। बड़ा व करोड़ों का प्रोजेक्ट होने के कारण इस पर अब तक सफलता नहीं मिली। अब वर्तमान में इसकी लागत साठ करोड़ के पार पहुंच गई है।

रहवासियों की शिफ्टिंग के संबंध में नहीं लिया निर्णय...

नगर पालिका परिषद अपनी ही कर्मचारी कॉलोनी में कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना पर काम कर रही है। लेकिन, यहां रहने वाले कर्मचारी ओर उनके परिवार को कहा शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए नपा ने कोई योजना तैयार नहीं की है। ऐसे में नपा यहां कॉम्प्लेक्स बनाती है तो यहां रहने वाले कर्मचारियों के परिवारों को अन्यत्र जाना पड़ेगा। हालांकि नपा का कहना है कि योजना तैयार है, जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

दोनों दलों की बनी सरकार, नहीं मिली आर्थिक मदद...

नपा के वर्तमान कार्यकाल को 03 साल होने को आए हैं। एकतरफा बहुमत के साथ रमादेवी गुर्जर नपाध्यक्ष निर्वाचित हुई उनके पति बंशीलाल गुर्जर राज्यसभा सदस्य हैं। परिषद में भाजपा व समर्थित पार्षदों की तादाद 32 है। साल 2015-16 में नपा के तत्कालीन अध्यक्ष स्व. प्रहलाद बंधवार ने इसका प्लान तैयार किया था। तब से अब तक राज्य में बीजेपी-कांग्रेस और फिर बीजेपी सरकार आ चुकी है। लेकिन, नगरीय प्रशासन मंत्रालय से कॉम्प्लेक्स के लिए कोई आर्थिक मदद नहीं मिल सकी। अंतत: अब नपा ने सरकार से आस न लगाकर बैंकों की कर्जदार बनने का फैसला लिया है।

शनि जयंति- मंगलवार को शनि जयंति के अवसर पर शहर सहित अंचल के शनि मंदिरों सुबह से ही भक्तो की भीड़ रही। मंदसौर के खानपुरा स्थित शनि मंदिर परिसर में सुबह से देर रात तक भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्यां में लोगों ने प्रसादी ग्रहण कर लाभ उठाया।

मामला एक्सप्रेस वे पर अश्लील वीडियो कांड का...

भाजपा नेता के वकील बोले- वीडियो के साथ छेड़छाड़ की आशंका, फोरेंसिक जांच की मांग

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर आपत्तिजनक वीडियो मामले में भाजपा नेता मनोहर धाकड़ को दूसरे ही दिन में जमानत मिल गई। रविवार को उनकी गिरफ्तारी हुई थी। सोमवार शाम को वो साढ़े 6 बजे गरोठ उपजेल से रिहा हो गए।

धाकड़ के वकील संजय कुमार सोनी ने वायरल वीडियो की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उसे वायरल किया गया है। वकील ने वीडियो का फोरेंसिक टेस्ट कराने की मांग करते हुए कहा कि यह एआई से एडिट किया गया हो सकता है।

एनएचएआई प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप पाटीदार ने बताया कि एक्सप्रेस वे के हाई सिक्योरिटी कैमरे में कैद मनोहर धाकड़ का वीडियो वायरल करने के संबंध में एमकेसी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ने तीन कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रोहित सहित ये तीनों कर्मचारी 13 मई की रात ड्यूटी पर तैनात थे।

महिला मित्र अभी भी फरार...

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने कहा कि पूछताछ में मनोहर धाकड़ महिला मित्र के बारे में कोई खास जानकारी नहीं दे पाए। महिला अभी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। 23 मई की रात पहली दबिश में पुलिस ने बलेनो कार जब्त की। 24 मई की रात दूसरी दबिश में परिजनों को वारंट तामील कराया। इसके बाद रविवार दोपहर धाकड ने सरेंडर किया। हाईवे कंट्रोल रूम के कर्मचारियो से पूछताछ चल रही है।

छत से पीवीसी पैनल गिरा: एक बच्चा घायल

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावद स्थित वीरेंद्रकुमार सकलेचा सामुदायिक भवन में सोमवार को एक मुंडन समारोह के दौरान छत से पीवीसी पैनल गिरने से एक बच्चा घायल हो गया। यह घटना सुनील पुरोहित के बेटे के मुंडन कार्यक्रम के दौरान हुई। सुबह का सामाजिक कार्यक्रम और भोजन समाप्त होने के बाद कुछ बच्चे डीजे पर नाच रहे थे। इसी दौरान छत का डोम अचानक नीचे गिर पड़ा। लोगों का कहना है कि अगर यह घटना भोजन के समय हुई होती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। लोगों ने सामुदायिक भवन में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया है। नगर परिषद अध्यक्ष सोहन माली ने दावा किया कि पीवीसी की खराब स्थिति के कारण उसे हटाया गया। हालांकि, घटना का वीडियो इस दावे का खंडन करता है। आयोजनकर्ताओं का कहना है कि यह घटना कार्यक्रम के दौरान हुई। स्थानीय नागरिकों ने भवन निर्माण की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। जावद एसडीएम ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

कार -बस की टक्कर, सात घायल

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में सोमवार रात भंवरासा और पालसोड़ा के बीच एक कार और यात्री बस की टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार 07 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे शामिल हैं।

बताया गया है कि बारिश के कारण हवा और आंधी से सड़क पर कई जगह पेड़ और झाड़ियां गिर गई थीं। विजिबिलिटी कम होने से कार चालक पेड़ों को नहीं देख पाया। कार बेकाबू होकर सामने से आ रही बस से टकरा गई। टक्कर से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायल सभी मल्हारगढ़ तहसील के गोपालपुरा गांव के निवासी हैं। घायलों में 07 वर्षीय गिरिराज, 09 वर्षीय अनुष्का, 15 वर्षीय ऋतु, 27 वर्षीय गीता, 26 वर्षीय अनिल, 35 वर्षीय निशा बाई और 34 वर्षीय गोपाल शामिल हैं। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को नीमच के बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस चालक ने घायलों को अस्पताल भिजवाने में मदद की। बस में सवार एक यात्री को मामूली चोट आई है। डॉक्टरों के अनुसार सभी घायलों को मामूली से मध्यम चोटें आई हैं। बड़े अस्पताल के डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने तीन संस्थाओं से लिये सेम्पल

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर के निदेशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा ग्राम नाहरगढ में खाद्य संस्थानों का निरीक्षण करते हुए तीन संस्थाओं से सेम्पल जब्त किये गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते कलेक्टर के निर्देश पर दिनांक 27 मई मंगलवार को राकेश स्वीट्स एवं रेस्टोरेन्ट नाहरगढ से थम्सअप कोल्ड्रींक, स्प्राईट, श्रीराम रेस्टोरेन्ट नाहरगढ से लस्सी और श्रीकृष्णा दूध डेयरी से दूध के नमुने लिये गये। जो जांच वास्ते राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये। जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्यवाही की जायेंगी। सभी होटल, ढाबा, रेस्टोरेन्ट संचालकों को उचित साफ - सफाई के साथ व्यवसाय करने के निर्देश दिये गये। आगे भी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

महिला मजदूर पहुंची जनसुनवाई में

पिपलियामंडी, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया कृषि उपज मंडी में प्रवेश बंद होने से परेशान महिला मजूदर मंगलवार को मंदसौर जनसुनवाई में पहुंची। यहां मंदसौर तहसीलदार नीलेश पटेल को आवेदन सौंपा। जिसमें बताया कि कृषि उपज मंडी में हमें मजदूर के लिए प्रतिबंधित कर दिया है, इस कारण हमें काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। मजदूरी से ही परिवार का पालन-पोषण होता है, लेकिन पिछले डेढ महिने से हमें मंडी नही आने दिया जा रहा है, इस कारण हमारे सामने आर्थिक संकट खडा हो गया है। करीब 25 महिला मजदूर है, जिन्हें मंडी प्रशासन ने बेरोजगार कर दिया है। पिछली बार भी जनसुनवाई में आवेदन दिया, लेकिन समस्या का निराकरण नही हुआ। तहसीलदार पटेल ने समस्या के निराकरण का भरोसा दिया।

डिप्टी सीएम के बंगले के पास दो गुटों में मारपीट

देर रात शाही दरबार रेस्टोरेंट पर चले डंडे, संचालक पर मामला दर्ज

भोपाल, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। भोपाल में डिप्टी सीएम श्री जगदीश देवड़ा के बंगले के पास लिंक रोड स्थित शाही दरबार आइसक्रीम पार्लर के बाहर रविवार देर रात जमकर हंगामा हुआ। रेस्टोरेंट संचालक और उसके कर्मचारियों ने अन्य लोगों के साथ मारपीट की। बाद में पुलिस ने संचालक के विरूद्ध मामला दर्ज किया है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दर्जनभर से ज्यादा लोग लात-घूंसे और डंडों से एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे हैं। हालांकि मारपीट की वजह का अब तक खुलासा नहीं हो सका है। रात करीब 12:30 बजे के आसपास दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते सड़क पर खुलेआम मारपीट में बदल गई। शाही दरबार आइसक्रीम पार्लर उस वक्त खुला हुआ था और वहीं पर झगड़े की शुरुआत हुई। इस दौरान रेस्टोरेंट संचालक और उसके स्टाफ द्वारा डंडों से हमला किए जाने की बात भी सामने आई है। सूचना मिलने पर नाइट गश्त में तैनात पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन, तब तक मामला शांत हो चुका था। पुलिस ने देर रात खुले रेस्टोरेंट संचालन को लेकर कार्रवाई करते हुए संचालक और कर्मचारियों को पकड़कर थाने भिजवाया। हालांकि देर रात खुला रेस्टोरेंट नियमों के खिलाफ था। मामले में संचालक के खिलाफ धारा 188 और मौजूद हुडदंगियों पर धारा 151 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

दुष्कृत्य के आरोपी मुबारिक के घर पर बुल्डोजर चलाने की मांग, ज्ञापन सौंपा

गरोठ, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। दुष्कृत्य के आरोपी मुबारिक मंसूरी के खिलाफ सर्व हिंदू समाज में खासा आक्रोश देखा जा रहा है। मंगलवार को सर्व हिंदू समाज ने प्रशासन को ज्ञापन देकर नारेबाजी की। ज्ञापन में आरोपी मुबारिक मंसूरी के मकान पर बुल्डोजर चलाने की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि विगत दिनों बालोदा निवासी मुबारिक मंसूरी को पुलिस ने पकड़ा। आरोपी द्वारा महिलाओं को लव जेहाद में फंसाकर उनके साथ दुष्कृत्य करता था। वह अपनी पहचान छिपाकर हिंदू नाम से महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। आरोपी के घर से इसलामिक तंत्र मंत्र एवं टोटके वशीकरण आदि के सामान के साथ सेक्स उपयोगी कई वस्तुएं बरामद की गई है। उसके मोबाईल में महिलाओं के अश्लील वीडियो और फोटो भी मिले हैं। ज्ञापन में कहा गया कि यह मुबारिक आदतन आरोपी है। जिस पर पूर्व में भी कई अपराध दर्ज है। आरोपी का जुलूस निकालकर उसका अवैध मकान ढहाने की मांग ज्ञापन में की गई।

प्रदेश में आंधी तूफान का अलर्ट, अंचल में तीसरे दिन खूब तपी रोहणी

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। इस बार नौतपा में भीषण गर्मी की बजाय तेज आंधी और बारिश वाला मौसम है। लगातार दूसरे दिन इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, रतलाम, आगर-मालवा समेत प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई। वहीं, रात में 20 से ज्यादा जिलों में मौसम बदला रहा। मंगलवार को भी इंदौर-उज्जैन समेत 30 से अधिक जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। हालांकि, मंदसौर अंचल में नौतपा अर्थात रोहिणी तीसरे दिन खूब तपी। हर कोई यह कहता सुना गई कि इस बार गरमी से उमस बहुत ज्यादा है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश सहित मंदसौर अंचल में आंधी की रफ्तार 30 से 50 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है। इंदौर, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, शहडोल, मैहर, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में आंधी-बारिश का अलर्ट है। बाकी जिलों में मौसम साफ रहने की संभावना बताई गई है।

नापाखेड़ा चौपाटी पर चली सरकारी जेसीबी, पौन करोड़ की जमीन से हटाया अतिक्रमण

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। नारायण गढ़ थाना क्षेत्र की नापाखेड़ा चौपाटी पर सरकारी जेसीबी ने 78 लाख की जमीन से अतिक्रमण हटाया। यहां करीब तेरह आरी जमीन से अतिक्रमण हटाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह तहसीलदार ब्रजेश मालवीय, नायब तहसीलदार राहुल डाबर के साथ राजस्व अमले के अलावा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। यहां अस्थायी दुकानें और अन्य स्थायी-अस्थायी अतिक्रमण पर सरकारी जेसीबी चली।

पिपलियामंडी में भी हुई कार्रवाई...

पिपलियामंडी में भी नगर परिषद ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। यहां पिपलिया मंडी चौपाटी से लेकर कृषि उपज मंडी तक सड़क किनारे मौजूद व्यापारियों के अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। इस दौरान पुलिस का अमला मौजूद रहा।

मंदसौर मंडी रोड़ से हटाया अतिक्रमण, जुर्माना भी लगाया...

तहसीलदार मंदसौर श्रीमती सोनिका सिंह द्वारा बताया गया कि कृषि मंडी मेन रोड पर अतिक्रमण कर्ता द्वारा 01 बीघा शासकीय भूमि पर नर्सरी संचालित की जा रही थी। जिस पर प्रकरण दर्ज कर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया। चेतावनी देने पर अतिक्रमणकर्ता द्वारा स्वयं अतिक्रमण हटाया गया। ज़मीन की कीमत बाजार मूल्य अनुसार लगभग 05-06 करोड़ रुपये आंकी गई है।

नापाखेड़ा

पिपलियामंडी

विचार-मंथन

विकास पर बल...

सरकार लगातार देश की अर्थव्यवस्था पांच लाख करोड़ डालर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराती रही है। दावा किया जाता है कि भारत जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा। इसके लिए प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ने का उत्साह नीति आयोग शासी परिषद की दसवीं बैठक में भी दिखा। इसमें प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहा कि अगर वे टीम इंडिया की तरह काम करें और हर राज्य, हर शहर, हर गांव को विकसित बनाने के लिए काम करें, तो आजादी की सौवीं वर्षगांठ से पहले ही देश को विकसित की श्रेणी में खड़ा किया जा सकता है। उन्होंने पर्यटन और शहरी विकास पर विशेष बल दिया। इस बैठक का विषय भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने पर विचार करना था। यह एक तरह से केंद्र सरकार के विकासोन्मुखी कार्यक्रमों को और गति देने की मंशा के अनुरूप ही है। अक्सर विपक्षी दलों वाली राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के बीच नीतियों का टकराव देखा जाता रहा है, जिसका असर विकास कार्यक्रमों पर पड़ता है। अच्छी बात है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ संबंधों में सहजता लाने का प्रयास किया। इसी का नतीजा है कि बैठक में किसी प्रकार का वैचारिक विरोध नजर नहीं आया। हालांकि कांग्रेस ने इस बैठक को लोगों का ध्यान भटकाने का सरकार का एक और प्रयास बताया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और तमाम झटकों के बावजूद इसकी रफ्तार पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में विकासशील देशों यानी वैश्विक दक्षिण देशों की उम्मीदें इससे और जुड़ती गई हैं। विश्व पटल पर

व्यापारिक समझौतों आदि के मामले में भारत ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में अगर केंद्र और सभी राज्य सरकारें मिल कर विश्व मानकों के अनुरूप अपने शहरों, पर्यटन स्थलों और विनिर्माण योजनाओं पर गंभीरता से काम करें, तो एक मिसाल कायम हो सकती है। मगर असल चुनौती यही है कि केंद्र सरकार किस तरह राज्य सरकारों के साथ सौहार्द और सहयोग का रिश्ता कायम कर पाती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तो लगातार केंद्र की नीतियों और बैठकों आदि का विरोध करती रही हैं। इसके अलावा, विपक्षी दलों की राज्य सरकारों के साथ केंद्र के रिश्ते तनावपूर्ण देखे गए हैं। इसलिए केंद्र से ही अपेक्षा की जाती है कि वह इस तल्खी को दूर करने का प्रयास करे। विकास और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से नत्थी होते हुए भी कई मामलों में इनमें अलगाव भी होता है। जरूरी नहीं कि सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के आधार पर अर्थव्यवस्था की दर ऊंची होने पर देश में खुशहाली का स्तर भी ऊंचा हो। भारत में यह विरोधाभास गहरा है। एक तरफ विकास दर ऊंची है, तो दूसरी तरफ बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन के मामले में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रश्नांकित होती रहती हैं। अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में विकास दर संतुलित नहीं है। विनिर्माण क्षेत्र अब भी हिचकोले खा रहा है। इसकी बड़ी वजह है कि निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटा पाटने में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश लक्ष्य के मुताबिक आकर्षित नहीं हो पा रहा। ऐसे में अगर केंद्र और राज्य सरकारें समन्वित रूप से काम करें, तो निस्संदेह कामयाबी की उम्मीद बनती है।

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और क्या कार्यवाही की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्यवाही की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है। भारत में सदियों से महिलाओं को मातृशक्ति का दर्जा दिया जाता रहा है। कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ।। अर्थातः जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है। भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं। लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी

नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दी। आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया। भारत की तीनों सेनाओं (थल सेना, नौसेना, वायु सेना) में महिलाओं की संख्या को लेकर अगस्त 2023 में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद में बताया था कि तीनों सेना में 11414 महिलाएं सेवाएं दे रही है। थल सेवा में 7054 महिलाएं सेवारत है। इनमें 1733 महिला अधिकारी है। यह आंकड़ा 1 जनवरी 2023 तक का है। भारतीय वायु सेवा में 1654 अधिकारी सेवारत है जबकि 155 महिलाएं एयर मेन (अग्निवीर) के रूप में सेवा दे रही है। भारतीय नौसेना में 580 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवारत है जबकि 727 महिलाएं सैलर्स (अग्निवीर) के तौर पर तैनात है। इसी तरह 1212 महिलाएं भारतीय थल सेना के आर्मी मेडिकल कॉर्प्स में 168 महिलाएं आर्मी डेंटल कार्स में और 3841 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में कार्यरत है। 151 महिलाएं नौसेना के मेडिकल कॉर्प्स में 10 महिलाएं डेंटल कार्य और 380 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है। 274 महिलाएं भारतीय वायु सेवा के मेडिकल कॉर्प्स में पांच महिलाएं डेंटल कॉर्प्स में और 425 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है। पहले महिलाओं को शार्ट सर्विस कमीशन में ही लिया जाता था। लेकिन फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिलने लगा है। अब एनडीए की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटों पर लड़कियां सिलेक्ट होती है और वह भी ओपन कंपटीशन में मुकाबला करके। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मार्च 2025 में संसद में बताया था कि 2022 में महिला कैडेट्स के पहले बैच की एंट्री के बाद से अब तक एनडीए में 126 महिलाओं को एडमिशन मिला है। आर्म्ड फोर्सेज में आने के बाद उनके लिए भी अवसर समान होते हैं। उनका करियर प्रोग्रेस वैसा ही होगा जैसा लड़कों का होगा। सर्विस रूट समान होते हैं। अब हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी सेना में पूरी तरह जेंडर न्यूट्रलाइजेशन हो गया है। सेना में आज हमारी महिला कॉम्बैट पायलट भी है। जो मिसाइल चलती है मोर्चे पर भी जाती है। वह इंजीनियरिंग का कार्य भी देखती है और सैटेलाइट को भी नियंत्रित करती है। अब महिलाएं डिफेंस भी करती है। टेक्निकल इंटेलिजेंस भी एकत्रित करती है। अभी तक आमने-सामने की लड़ाई में महिलाओं को नहीं भेजा जाता है। राजस्थान में झुंझुनू जिले की स्क्वाड्रन लीडर मोहन सिंह 2016 में भारतीय वायु सेवा की तेजस फाइटर स्क्वाड्रन में शामिल होने वाली पहली महिला बनी। इससे पहले वह मिग 21 बाइसन फाइटर प्लेन भी उड़ा चुकी है। ग्रुप कैप्टन सालिया धामी वायु सेवा की ऐसी पहली महिला अधिकारी बनी है जो फ्रंटलाइन काम्पैक्ट यूनिट की कमान संभाल रही है। फ्लाइंग यूनिट की फ्लाइट कमांडर बनने वाली भी वह पहली महिला अधिकारी है। भारत की सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा और थलसेना एवं नौसेना की चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिला अधिकारी ही कर रही है। रक्षा बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में भारत की प्रगति धीमी रही है। लेकिन लोगों का मानना है कि इसमें लगातार प्रगति हुई है। अब एक साथ बहुत सारी महिलाएं प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वे दूसरों के लिए रास्ता बना रही हैं। उनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। अगर वे अच्छा काम कर रही हैं तो उन्हें स्वीकार करना आसान होगा और आने वाली महिलाओं के लिए रास्ता साफ हो जाएगा। शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत महिलाएं केवल 10 या 14 साल तक सेवाएं दे सकती हैं। इसके बाद वो सेवानिवृत्त हो जाती हैं। लेकिन अब उन्हें स्थायी कमीशन के लिए आवेदन करने का भी मौका मिलेगा। जिससे वो सेना में अपनी सेवाएं आगे भी जारी रख पाएंगी और रैंक के हिसाब से सेवानिवृत्त होंगी। साथ ही उन्हें पेंशन और सभी भत्ते भी मिलेंगे। 1992 में पांच साल के लिये शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए महिलाओं का पहला बैच भर्ती हुआ था। इसके बाद इस सर्विस की अवधि को 10 साल के लिए बढ़ाया गया। 2006 में शार्ट सर्विस कमीशन को 14 साल कर दिया गया। भारतीय सेना अब महिलाओं को सशस्त्र बल में नियुक्ति के लिए उनके लिए तय की गई नीतियों को लागू कर प्रोत्साहित करती है। इसके लिए महिलाओं के लिए आर्मी मेडिकल कोर, आर्मी डेंटल कोर और मिलिटरी नर्सिंग सेवाओं के लिए परमानेंट कमिशन को मंजूरी दी गई है। अब 11 आर्म्स एंड सर्विसेज में महिला अधिकारियों को परमानेंट कमिशन मिलता है। जिनमें आर्मी सर्विस कोर, आर्मी आर्डिनेंस कोर, आर्मी एडुकेशन कोर, जज एडवोकेट जनरल ब्रांच, इंजीनियर कोर, सिगनल कोर, इलेक्ट्रॉनिक्स और मकैनिकल कोर, इंटेलीजेंस कोर, आर्मी एयर डिफेंस, आर्मी एविएशन, रीमाउंट एंड वेटनरी कोर आदि शामिल हैं। परमानेंट कमिशन के बाद महिला अधिकारी इंडियन आर्मी के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में शामिल आर्टिलरी का हिस्सा बनने लगी है।

भारत समृद्धि के लिख रहा नए आयाम, पाक आतंक के अड्डे तैयार करने में लगा

पहलगाम में हुए नरसंहार के तुरंत बाद पाकिस्तान ने अपनी योजना के अनुसार काम करना शुरू कर दिया। उसने सीमा पार से हमले करने के लिए सालों से चले आ रहे युद्ध विराम को तोड़ दिया, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकी लॉन्चपैड खाली कर दिए और अग्रिम इलाकों में सेना और भारी उपकरण तैनात करना शुरू कर दिया। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पाकिस्तान पर भारत की सैन्य श्रेष्ठता स्थापित की, बल्कि दोनों देशों के बीच मतभेदों को भी सामने लाया- जहाँ भारत एक लोकतंत्र के रूप में सफल रहा, वहीं पाकिस्तान एक ऐसे सैन्य-राज्य के रूप में लड़खड़ा गया, जो आतंकवाद को राज्य की नीति के रूप में प्रायोजित करता है। पहलगाम हमले के बाद, भारत ने पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से घेरने, आतंकवादियों और उनके समर्थकों को सैन्य रूप से दंडित करने और सिंधु जल संधि को निलंबित करने जैसी दीर्घकालिक लागतें लगाने की योजना बनाई। दूसरी ओर, जब दुनिया के अधिकांश देशों ने हमले की निंदा की और आतंकवाद का विरोध किया, तब पाकिस्तान ने पहलगाम हमले को एक झूठे अभियान के रूप में पेश करने के लिए एक दुष्प्रचार अभियान शुरू किया। पहलगाम में हुए नरसंहार के तुरंत बाद पाकिस्तान ने अपनी योजना के अनुसार काम करना शुरू कर दिया। उसने सीमा पार से हमले करने के लिए सालों से चले आ रहे युद्ध विराम को तोड़ दिया, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर आतंकी लॉन्चपैड खाली कर दिए और अग्रिम इलाकों में सेना और भारी उपकरण तैनात करना शुरू कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर के साथ भारत ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में नौ आतंकवादी स्थलों पर हमला किया। 7 मई को, पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी भारत में असफल हवाई हमले किए। परिणामस्वरूप, भारत ने 8 मई को पाकिस्तान के हवाई रक्षा स्थलों पर हमला किया। जब पाकिस्तानी सेना ने भारत में दर्जनों स्थानों को निशाना बनाया, जिसमें पवित्र शहर अमृतसर और जम्मू कश्मीर के पुंछ में गुरुद्वारा शामिल था, तो पाकिस्तानी जनता आतंकवादियों को प्रायोजित करने वाली सेना के इर्द-गिर्द एकजुट हो गई। भारत में, लोगों द्वारा चुनी गई सरकार इंडे के इर्द-गिर्द एकजुट हो गई, क्योंकि भारतीय सरकार - लोगों द्वारा चुनी गई एक लोकतांत्रिक सरकार - ने मिसाइलों और ड्रोन की बौछार के खिलाफ देश की सुरक्षा का आयोजन किया और बल के साथ जवाब दिया। अंतर स्पष्ट था- जबकि भारत ने पहलगाम हमले और कई अन्य को अंजाम देने वाले आतंकवादियों पर हमला किया, जबकि भारतीय समाज राष्ट्र की रक्षा के लिए इंडे के चारों ओर लामबंद हो गया, वहीं पाकिस्तानी समाज पाकिस्तानी सेना के चारों ओर लामबंद हो गया, जो आतंकवादियों की ओर से भारत पर हमला कर रही थी। ऐसे समय में जब भारत में आतंकवाद के खिलाफ द्विदलीय विरोध देखने को मिल रहा है, पाकिस्तान ने आतंकवादियों को सम्मानित करना और आतंकवादियों के साथी राज्य प्रायोजकों को खुश करना जारी रखा है। आतंकवाद के राज्य प्रायोजित होने के स्पष्ट संकेत में, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ़ और सेना प्रमुख मुनीर ने पाकिस्तान और पीओजेके में आतंकवादी स्थलों पर भारतीय हवाई हमलों में मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार में भाग लिया। इसके अलावा, अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी नेता हाफ़िज़ अब्दुल रऊफ़ ने भारतीय हवाई हमलों में मारे गए आतंकवादियों के लिए जनाज़े की नमाज़ का नेतृत्व किया।

नेताओं के बिगड़े बोल के लिए राजनीतिक दल ही जिम्मेदार

योगेंद्र योगी

मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने भारत की जांबाज सेना की अफसर और जज्बे से देश की आईकोन बनी कर्नल सोफिया के बारे अनर्गल टिप्पणी करके कई सवालों को जन्म दिया है। ऐसा नहीं है कि मंत्री विजय शाह ऐसा कृत्य करने वाले अकेले नेता हैं, जिनकी वजह से देश का नीचा देखना पड़ा है। ऐसा करने वाले नेता की लंबी फेहरिस्त है, जिनके बिगड़े बोल से देश और समाज का सौहार्द प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर प्रभावित हुआ है। मध्यप्रदेश के इस मंत्री को बेशक सजा मिल जाए, इसके बाद भी बड़ा सवाल यही है कि आखिर वह कौनसी वजह है कि नेताओं की जुबान काबू में नहीं रहती। सवाल यह भी है कि वैमनस्य का जहर घोलने वाले ऐसे नेताओं के मामले में कानूनी कार्रवाई का इंतजार क्यों किया जाता है। राजनीतिक दल आगे बढ़ कर कार्रवाई की नजीर पेश क्यों नहीं करते। यदि राजनीतिक दलों ने नेताओं के लिए कोई लक्ष्मण रेखा खींची होती और उसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई निर्धारित कर रखी होती तो ऐसी नौबत नहीं आती। दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक दलों की शह ही ऐसे नेताओं के बिगड़े बोलों के लिए जिम्मेदार है। इनकी अनदेखी करने से नेताओं में प्रलाप करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। विगत चुनावों में यदि नेताओं पर दलों ने लगाम कसी होती तो ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होती। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार के दौरान कई बार भाषायी मर्यादा टूटती दिख रही, किन्तु किसी भी पार्टी ने इस पर चिंता नहीं जताई और नेताओं को म्यान में रहने की हिदायतें नहीं दी। कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा की मथुरा से सांसद हेमा मालिनी के बारे में अमर्यादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद चुनाव आयोग की तरफ से कार्रवाई भी की गयी, किन्तु कांग्रेस ने सुरजेवाला के खिलाफ महिलाओं की मर्यादा को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया अकाउंट से एक्ट्रेस कंगना रनौत को लेकर एक आपत्तिजनक पोस्ट शेयर की। इसके जवाब में कंगना ने कहा कि हर महिला गरिमा की हकदार है। हालांकि, विवाद बढ़ने पर सुप्रिया श्रीनेत के अकाउंट से पोस्ट डिलीट कर दी। चुनाव आयोग की तरफ से उन्हें नोटिस दिया गया था। कंगना रनौत भी नाम लेकर निजी टिप्पणी करने में पीछे नहीं रहीं।

कंगना ने राहुल गांधी और मंडी सीट से उनके प्रतिद्वंद्वी विक्रमादित्य सिंह को क्रमशः बड़ा पप्पू और छोटा पप्पू कहा। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके पिता मोतीलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी सहित गांधी-नेहरू परिवार को निशाना बनाया और कांग्रेस को एक बीमारी और अंग्रेजों द्वारा छोड़ी गई दीमक करार दिया, जो उनके मुताबिक 2014 तक देश को खा रही थी। हिमाचल की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा ने रनौत को परी करार देते हुए कहा है कि लोग केवल उन्हें देखने आते हैं। प्रतिभा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कि कंगना की मां आशा रनौत ने कहा था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता ये हुस्न परी है, और ये क्या चीज है जैसी टिप्पणियां कर रही हैं और यह भूल गई हैं कि उनके घर में भी बेटियां हैं। उन्होंने कहा कि एक मां होने के नाते मुझे दुख होता है और मुझे लगता है कि ऐसी टिप्पणियों से अन्य मांएं भी दुखी हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सरकार को गिराने की कोशिशों से नाराज होकर कांग्रेस के बागियों को काले नाग और बिकाऊ करार दिया था और अपने चुनावी अभियान के दौरान भी बिकाऊ बनाम टिकाऊ के नारे का इस्तेमाल किया था। बिहार भाजपा के प्रमुख सम्राट चौधरी के बयान पर काफी विवाद देखने को मिला था। सम्राट चौधरी ने कहा था कि टिकट बेचने में लालू यादव ने अपनी बेटी को भी नहीं छोड़ा। पहले अपनी बेटी की किडनी ली और उसके बाद लोकसभा चुनाव का टिकट दे दिया। सम्राट चौधरी ने कहा था कि आगामी चुनाव में मैदान में उतरने से पहले लालू ने अपनी बेटी की किडनी ले ली। राजद की तरफ से इसे लेकर जमकर आपत्ति जतायी गयी थी। गिरिराज सिंह के बयान पर भी विवाद हुआ था।

दवाओं पर जीएसटी जीरो प्रतिशत करने की मांग को लेकर एमआर यूनियन ने दिया ज्ञापन

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन (एमपीएमएसआरयू) की मंदसौर इकाई द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम मंदसौर जीएसटी सहायक आयुक्त रौनक दुबे को दवाओं पर जीरो प्रतिशत लागू करने के लिए एक ज्ञापन सौंपा गया।

मंदसौर एम आर यूनियन के अध्यक्ष दिनेश चंदवानी ने बताया कि एम आर यूनियन के प्रदेश संगठन के आह्वान पर पूरे मध्य प्रदेश में विभिन्न इकाइयों द्वारा दवाओं के दाम कम करने और उन पर जीरो प्रतिशत जीएसटी लागू करने को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम से ज्ञापन दिया जा रहा है। इसी तारतम्य में मंदसौर एम आर यूनियन ने भी जीएसटी जिला सहायक आयुक्त रौनक दुबे को एक ज्ञापन सौंपा है। वर्तमान में दवाओं के दाम भी तेजी से बड़े है और आम आदमी को दवाओं पर भी महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। मंदसौर इकाई सचिव मयंक चुनेकर ने बताया है कि दवाओं पर जीरो प्रतिशत जीएसटी लागू करने से मरीजों को कम दाम में आवश्यक दवाएं उपलब्ध होगी और इलाज में कम पैसा खर्च होगा। इस अवसर पर प्रवीण कुमार शर्मा, नरेश गुर्जर और राजदीप आदि उपस्थित थे।

अनजान मोबाइल नंबर एवं अनजान लिंक से सावधान रहे-एएसपी

जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर एवं संगिनी फोरम द्वारा साइबर क्राइम सेमिनार आयोजित किया

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर एवं संगिनी फोरम द्वारा मध्यप्रदेश रीजन द्वारा इस माह मई में की जाने वाली गतिविधि साइबर क्राइम पर होने वाले अपराधों से कैसे बचा जाए। इस संबंध में एक सेमिनार का आयोजन नवकार भवन, मंदसौर में किया गया है। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गौतम सोलंकी द्वारा उपस्थित सभी सदस्यों को जागरुक करते हुए साइबर क्राइम के अपराधों से बचने के उपाय बताएं, सदस्यों को अनजान मोबाइल नंबर एवं अनजान लिंक से सावधान रहने की सलाह दी गई। आपने किसी को भी ओटीपी मांगने पर ओटीपी नंबर न दिए जाने की सलाह दी।

सेमिनार के प्रारंभ में ग्रुप के अध्यक्ष दिलीप मेहता, पूर्व अध्यक्ष लोकेंद्र जैन गोटावाला, महेंद्र एवं अनिल जैन ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गौतम सोलंकी को शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। सेमिनार में मध्य प्रदेश रीजन के इलेक्ट अध्यक्ष प्रमेंद्र चोरडिया, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र जैन एवं अनिल जैन, ग्रुप के अध्यक्ष दिलीप मेहता, सचिव विनय धींग, सहसचिव उमेश जैन (भडका), कोषाध्यक्ष जयप्रकाश चोपडा तथा प्रदीप दोषी, राकेश जैन, अनीता धींग, गुणवंत कोठारी सागरमल के अतिरिक्त संगिनी ग्रुप की अध्यक्षता श्रीमती नीता मेहता, संस्थापक अध्यक्ष किरण कोठारी सहित अनेक उपस्थित महिलाओं ने मोबाइल के माध्यम से हो रहे अपराध से किस प्रकार बचा जाए एवं जागरूकता रखने को अच्छी तरह से समझ कर एडिशनल एसपी से संवाद किया गया। कार्यक्रम में संगिनी की अध्यक्ष श्रीमती नीता मेहता एवं संस्थापक अध्यक्ष किरण कोठारी द्वारा अतिथि का शाल श्रीफल से स्वागत किया गया, अध्यक्ष दिलीप मेहता कार्यक्रम में पधारे एडिशनल एसपी श्री सौलंकी का आभार किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश रीजन के इलेक्ट अध्यक्ष प्रेमेंद्र चोरड़िया, संस्थापक अध्यक्ष किरण कोठारी संगिनी कन्वीनर एवं लोकेंद्र जैन ने कार्यक्रम का संचालन एवं कार्यक्रम को आयोजित करने में सहयोग करने पर माला पहना कर स्वागत किया गया। अंत में आभार ग्रुप के सचिव विनय धींग ने माना।

मध्य प्रदेश में विभाग प्रमुखों को मिले 80 प्रतिशत तक मेडिकल अग्रिम देने के अधिकार

भोपाल, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कर्मचारी या आश्रित के बीमार होने पर मिलने वाला मेडिकल अग्रिम अब आसानी से मिल जाएगा, क्योंकि 80 प्रतिशत तक मेडिकल अग्रिम देने का अधिकार अब मूल विभाग को होगा। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की अनुमति या परामर्श की आवश्यकता नहीं होगी। इसके लिए वित्तीय अधिकार पुस्तिका में 13 वर्ष बाद संशोधन के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी गई। बैठक में वित्त विभाग की ओर से बताया गया कि 13 वर्ष में कई चीजें बदल गई। पहले टाइप राइटर चलते थे, जिनका स्थान कंप्यूटर और लैपटॉप ने ले लिया। महंगाई बढ़ गई। विभागाध्यक्ष को कोई उपकरण खरीदना होता है और वह व्यय के लिए निर्धारित सीमा से अधिक होता है तो विभाग से अनुमति लेने की प्रक्रिया करनी होती है, जिसमें अनावश्यक समय लगता है। कर्मचारियों को मेडिकल अग्रिम देने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से अनुमति या परामर्श लेना आवश्यक किया गया था। इसके कारण परेशानी होती थी। वहीं, कई शैक्षणिक सहित संस्थान सरकारी कामकाज की समझने के लिए अपने विद्यार्थी या कर्मचारियों को प्रशिक्षण के लिए भेजना चाहते हैं लेकिन विभागाध्यक्ष को इसकी अनुमति नहीं थी। वर्तमान की आवश्यकताओं को देखते हुए कैबिनेट की बैठक में वित्तीय अधिकार पुस्तिका में संशोधन के प्रस्ताव को अनुमति दी गई। इसमें वित्त के स्थान पर प्रशासकीय विभाग को बजट नियंत्रण अधिकारी घोषित करने, सलाहकार एजेंसी से काम करने।

डीएलएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये आवेदन प्रारंभ

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के समस्त शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) एवं अशासकीय महाविद्यालयों में डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिये आवेदन प्रक्रिया मंगलवार 27 मई से प्रारंभ हो रही है। योग्य अभ्यर्थी 27 मई, 2025 से एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से प्रवेश के लिये पंजीयन कर सकेंगे। प्रथम चरण के प्रवेश पंजीयन की अंतिम तिथि 5 जून निर्धारित की गयी है। उल्लेखनीय है कि उक्त संस्थानों में डीएलएड पाठ्यक्रम की नियत सीटों पर प्रवेश, अभ्यर्थी के कक्षा 12वीं में प्राप्तांकों के आधार पर मैरिट अनुसार शासन द्वारा आरक्षण संबंधी जारी निर्देशों के तहत किये जायेंगे। अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर आरक्षण नियमों के अनुसार मेरिट सूची 6 जून को तथा योग्य अभ्यर्थियों को विभिन्न संस्थानों में प्रवेश आवंटन 7 जून से 10 जून तक जारी किये जायेंगे। चयनित अभ्यर्थी 11 जून से 16 जून के मध्य उन्हें आंवटित संस्थानों में प्रवेश ले सकेंगे।

शिवना शुद्धिकरण अभियान में निकाली 14 ट्राली जलकुंभी व गाद

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर 1 मई से शुरू हुआ शिवना शुद्धिकरण अभियान मंदसौर के साथ-साथ ग्रामीणजनों को भी शिवना के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने हेतु प्रोत्साहित कर रहा है। 27वें दिन ग्राम अमलावद, निराधरी, दिलावरा, लसुड़िया राठौर, बादरी गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमदान करने आये वहीं रक्तदान सेवा समिति, समाजसेवियों, मातृशक्तियों एवं कांग्रेसजनों ने भी श्रमदान में बढ़चढ़कर भाग लिया। मंगलवार को श्रमदानियों ने दो घण्टे कड़ी मेहनत कर 14 ट्राली जलकुंभी व गाद नदी से निकाली।

विधायक श्री विपिन जैन ने सम्पूर्ण जिलेवासियों से आव्हान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिवना शुद्धिकरण अभियान में सहभागी बने। मंगलवार को विधायक विपिन जैन, अमलावद गांव से महिपालसिंह, कैलाश कुमावत, इन्द्रेश कुमावत भगत, भगतराम चौहान, आशाराम अहीरवार, शांतिलाल अहीरवार, प्रहलाद अहीरवार, अर्जुन अहीरवार, हीरालाल अहीरवार, मणीराम अहीरवार, राजू अहीरवार, लक्ष्मण अहीरवार, गणपत अहीरवार, मदन अहीरवार, रोहित अहीरवार, राहुल अहीरवार, मुकेश अहीरवार, रामचन्द्र अहीरवार, प्रेमचन्द अहीरवार, मुकेश अहीरवार, विशाल अहीरवार, राहुल अहीरवार, रामचन्द्र अहीरवार, कन्हैयालाल अहीरवार, कमलेश अहीरवार, निरधारी गांव से दिनेश चन्द्रवंशी, कारूलाल चन्द्रवंशी, रमेश चन्द्रवंशी, मदनलाल डाबी, कारूलाल चन्द्रवंशी, विष्णु चन्द्रवंशी, रामबाबू चन्द्रवंशी, लालाराम डाबी, दिलावरा गांव से गणपत अहीरवार, रवि अहीरवार, रंजीत अहीरवार, मनीष अहीरवार, राधेश्याम अहीरवार, गुड्डू अहीरवार, लसुड़िया राठौर से हरिसिंह मीणा, गोपाल मीणा, बादरी गांव से दशरथ अहीरवार, ईश्वर अहीरवार, दीपक अहीरवार, राकेश अहीरवार, रक्तसेवा फाउण्डेशन से नागेश्वर मालवीय, रामनारायण मालवीय, अम्बालाल पाटीदार, जुझारलाल सूर्यवंशी, राकेश विश्वकर्मा, पुष्कर पाटीदार, प्रहलाद कुशवाह, रामसुख यादव, हितेश रायमलानी, बंटी पाटीदार, योगेश रावत, समाजसेवी महेश दुबे, मनीष भावसार, रामचन्द्र मालवीय टीआई, नयन पालीवाल, एम्ब्रोज वाल्टर, विजय आनंद, नीतनेस बसेर, अमृत सौलकी, भंवरलाल प्रजापत खिलचीपुरा, कमल नकुम, अर्जुन दशोरा, प्रमोद राठौर, महिला नेत्री इष्टा भाचावत, सोनाली जैन, सुनीता बंडी, अनिता भदौरिया, दीपा दादवानी, वर्षा दोसरिया, प्रमिला पंवार, कनिष्का गोयल, कांग्रेसजन तरूण खीची, किशोर गोयल, विकास दशोरा, राजनारायण लाड़, राजेश फरक्या, संजय नाहर, विश्वास दुबे, मनोहर नाहटा, अजय सोनी, राकेश सेन, सादीक गौरी, अभिषेक पाटीदार, साबिर इलेक्ट्रीशियन, रमेश सिंगार, मिथुन कटारिया, रमेश ब्रिजवानी, घनश्याम लोहार, शैलेन्द्र मारोठिया, शैलेंद्र गोस्वामी, अकरम खान, श्यामसुंदर राठौर, डॉ. सोहनलाल धाकड़, राजेश चौधरी, राकेश जैन पिंटू, अशोक राव, शिवशंकर सौलकी, ऋषिराज लाड़, दीपक लाड़, गणपत कुमावत, गोपाल बंजारा, राजा भाई सहित बड़ी संख्या में नागरिक श्रमदान करने उपस्थित हुए।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने बताया कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा 'लोकमाता अहिल्याबाई : जीवन एवं दर्शन' विषय पर भाषण तथा निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संस्था प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने बताया है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय इतिहास की महान विभूतियों से जोड़ना और उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित करना है।

इस कार्यक्रम में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने लोकमाता अहिल्याबाई के आदर्शों, कर्यों और उनके शासनकाल की विशेषताओं पर आधारित विचारों को मंच से प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने अपने भाषणों में अहिल्याबाई के सामाजिक सुधारों, न्यायप्रियता, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण और महिला सशक्तिकरण की भावना को विस्तार से रेखांकित किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में छात्रों ने उनके जीवन संघर्ष, शासन-प्रशासन, धार्मिक सहिष्णुता और जनकल्याणकारी नीतियों को उल्लेखनीय रूप से प्रस्तुत किया। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने स्वयंसेवकों को लोकमाता के जीवन चरित्र की प्रेरक झलकियाँ बताते हुए उनके जीवन से शिक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी बताया कि अहिल्याबाई केवल एक शासिका नहीं थीं, बल्कि एक महान दार्शनिक और समाज सुधारक भी थीं। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललिता लोधा ने प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि भाषण प्रतियोगिता में विनय कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, राहुल शर्मा को द्वितीय स्थान और पलक को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं, निबंध प्रतियोगिता में खुशबू परिहार ने प्रथम स्थान अर्जित किया, देवांशु नलवाया को द्वितीय स्थान मिला और माया आर्य तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडल में डॉ. अनिल कुमार आर्य, डॉ. ललित लोधा तथा प्रो. सोहन यादव शामिल रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आईटीआई में प्रवेश के लिए हेल्प डेस्क स्थापित

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मनासा में 2025 में आईटीआई में संचालित ट्रेड इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रानिक्स् मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, कोपा, स्टेनो हिन्दी में प्रवेश के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। जिसमें पोर्टल शुल्क के अलावा कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा हैं। सम्पूर्ण रजिस्ट्रेशन एवं च्वाईस फिलिंग नि:शुल्क किया जा रहा हैं। कार्यालयीन समय में अवकाश के दिन सहित रजिस्ट्रेशन एवं च्वोईस फिलिंग की जा रही है। उक्त ट्रेड में प्रवेश के लिए 10 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मनासा में संपर्क कर सकते हैं।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 116 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 116 आवेदकों की सुनी समस्याएं और निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, संयुक्त कलेक्टर डॉ. ममता खेड़े, श्री राजेश शाह, सभी डिप्टी कलेक्टर्स सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में रानपुर के भेरूलाल, चेनपुरा के अम्बालाल, जामपुरा के केदार माली, बरखेड़ाहाड़ा के दशरथ पड़दा के मंगलेश, कचौली की वरदीबाई, दुदरसी के छगनपुरी, कनावटी के हरीश मेघवाल, सरावानिया महाराज की कमलादेवी, नीमच के मनीष डाबले, वार्ड 14 रामनगरमनासा मनासा के पंकज पाराशर, इमाम बाड़ा नीमच की मुन्नीनबाई, यादव मण्डी नीमच के बलवंत सिह, रतनपुरा की घीसीबाई, डसानी के घीसालाल, चड़ोली के सुरेशचंद्र जयसिहपुरा की रेखा ने भी अपना आवेदन प्रस्तुत कर समस्याएं सुनाई। इसी तरह जावद की रामकन्याबाई, देवरी खवासा के ईश्वरलाल राठौर, सुवाखेड़ा के प्रकाशचंद्र, जीरन के भगवती प्रसाद, चेनपुरा के गड्डूसिह, चंद्रपुरा के संजय, उगरान के मांगीलाल, अरनिया बोराना के गोर्वधन लाल, जेतपुरा की प्रेमबाई, मोया के नन्दलाल, बिसलवास कलां के जगदीशचंद्र, सुवाखेड़ा की बीनाबाई, जवाहर नगर नीमच के महेन्द्र कुमार आदि ने भी अपनी समस्यांओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई। जिस पर कलेक्टंर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यंक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

दशपुर अकाउंटेंट एसो. के चुनाव सम्पन्न

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन की आवश्यक बैठक आयोजित हुई जिसमें नए पदाधिकारियों के चयन किया गया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष श्री मोहनलाल कुमावत, श्री चंद्रेश बाफना व अन्य वरिष्ठपूर्व पदाधिकारियों ने नए पदाधिकारियों का चुनाव सर्व सहमति से सम्पन्न कराया। निवृत्तमान अध्यक्ष श्री कैलाश सोनी ने नए अध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव रखा जिस पर सभी सदस्यों ने सर्वानुमति नई कार्यकारिणी का गठन किया। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष ललित काबरा, उपाध्यक्ष प्रभुलाल छाजेड़, सचिव महेश सोलंकी, कोषाध्यक्ष हेमंत जैन को निर्वाचित किया गया। बैठक में विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई। बैठक में एसोसिएशन के सभी पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। सभी ने नई कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उक्त जानकारी सचिव महेश सोलंकी ने दी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	64	2031	2218
उडद	6	5501	5920
सोयाबीन	4687	3311	4301
गैहु	10876	2310	2810
चना	454	4671	5570
मसुर	93	6000	6401
धनिया	321	5051	7300
लहसुन	17000	2500	9200
मैथी	965	3400	5666
मुंगफली	1078	3800	5100
अलसी	1550	6421	7200
सरसो	304	5750	6180
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	71	6972	10801
प्याज	1860	200	1214
कलोंजी	60	15481	21400
तुलसी बीज	7	8002	13361
डॉलर	51	5600	7680
तिल्ली	2	7800	8001
जौ	22	2180	2260
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	147	5501	6566
चियाबीज	116	10850	14600

शहरी क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के प्रयास

एक हजार से अधिक महिलाएं कर रही हैं जल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग शहरी क्षेत्र की महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिये उन्हें रोजगार से जोड़ने के लगातार प्रयास कर रहा है। प्रदेश के 55 नगरीय निकायों में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत अमृत मित्र के रूप में 312 स्वसहायता समूह की एक हजार 28 महिला सदस्यों को जल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य सौंपा गया है। इस कार्य के लिये महिलाओं को करीब 3 करोड़ रूपये की राशि के कार्य आदेश जारी किये गये हैं। नगरीय निकायों ने महिला स्वसहायता समूहों को बगीचों के रख-रखाव की जिम्मेदारी भी सौंपी है। केन्द्र सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'वुमन फॉर ट्रीज' में स्वसहायता समूहों की महिलाओं को लगाये गये पौंधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गयी है इसके ऐवज में उन्हें आर्थिक सहायता दी जायेगी।

खाद्य प्रसंस्करण की गतिविधियों से जोड़ा गया–शहरी क्षेत्र के महिला स्वसहायता समूहों को केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों से जोड़ा गया है। शहरी क्षेत्र के 211 स्वसहायता समूह के 1142 समूह सदस्यों को 3 करोड़ 50 लाख रूपये की राशि एरिया लेबल फेडरेशन के माध्यम से सौंपी गयी है। राज्य सरकार का प्रयास है कि ये महिलाएं इन गतिविधियों से जुड़कर लखपति दीदी बनें।

स्वच्छ भारत मिशन में भी कार्य कर रही हैं महिलाएं–शहरी क्षेत्र की महिलाएं अपने परिवार को आर्थिक रूप से बनाने के लिये उन्हें स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की गतिविधियों से जोड़ा गया है। यह महिलाएं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सेनिटेशन जैसी गतिविधियो में कार्य कर रही है। अब तक 202 स्वसहायता समूह को इस कार्य से जोड़ा गया है। शहरी क्षेत्रों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रों में पूरक पोषण आहार वितरण कार्यक्रम में डे-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत एक हजार 689 शहरी स्वसहायता समूहों की महिलाओं को 12 हजार 454 आंगनवाड़ी केन्द्रों में पोषण आहार वितरण का कार्य सौंपा गया है। इसी के साथ प्रदेश में 1800 स्वसहायता समूहों की महिला सदस्यों द्वारा स्कूल के बच्चों के गणवेश तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

रैन बसेरा में महिलाओं के रूकने की व्यवस्था–शहरी क्षेत्र में 62 नगरीय निकायों में संचालित 117 रैन बसेरों में महिलाओं के अलग से रूकने की व्यवस्था की गई है। निकायों द्वारा वहां सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये गये हैं।

स्टडी क्लब के अन्तर्गत चतुर्थ व्याख्यान माला सम्पन्न

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में स्टडी क्लब के अन्तर्गत चतुर्थ व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प और दीप-दीपन के माध्यम किया गया। प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने स्वागत उद्बोधन में वक्ताओं को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि आज के परिदृश्य में वैचारिक चिंतन की बहुत आवश्यकता है। प्राचीन दर्शन और मूल्य आज भी समीचीन है। साथ ही शोध कार्य को महत्ता देते हुए उन्होंने कहा कि एक संस्थान का मूल्यांकन उसके शोध कार्यों से होता है ऐसे में स्टडी क्लब इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु महती भूमिका निभा रहा है। दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. दशरथ आर्य ने चार्वाक दर्शन और उसकी प्रासंगिकता विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया। ग्रंथपाल श्रीमती मेघा सिंह ने वन नेशन वन सबक्रिप्शन पर अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.संतोष शर्मा ने किया एवं आभार प्रोफेसर खुशबू मंडावरा ने किया। इस अवसर पर स्टडी क्लब की संयोजिका डॉ.ललिता लोधा, प्रो.दीपक कुमार, वरिष्ठप्राध्यापक डॉ. तुषारकांत झाला, प्रो. आर.सी. डाड, प्रो. आर.के. व्यास सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

दशोरा समाज द्वारा मंदसौर में कुलदेवी का पूजन 2 जून को

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। दशोरा समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार शिवना नदी के मध्य विराजित समाज की कुलदेवी का वार्षिक पूजन दिनांक 2 जून सोमवार को किया जावेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होगें एवं अध्यक्षता मंदसौर के सांसद श्री सुधीर गुप्ता होगें। कुलदेवी ट्रस्ट के प्रवक्ता श्री आनंद दशोरा एवं मंदसौर के स्थानीय प्रवक्ता श्री जयेश नागर द्वारा जानकारी दी गई कि दशोराजन पूर्व में मंदसौर के निवासी थे। आक्रांताओ के आक्रमण के कारण हम मंदसौर छोड़कर मध्यप्रदेश के मालवा एवं निमाड़ तथा राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में बस गये।

शिक्षक एवं वॉलेंटियर्स का सम्मान

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। आर्ट ऑफ लिविंग मंदसौर द्वारा नंदा पैलेस, नंदा नगर सेंटर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक एवं वॉलेंटियर्स का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें श्री आशीष राठौर एवं श्री श्याम भावसार को टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम हेतु बंगलौर आश्रम द्वारा चयन किए जाने पर सम्मान किया गया। आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक श्री नरेंद्र धनोतिया को डिजिटल मीडिया जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर सम्मान किया गया। इसी प्रकार श्री सुरेन्द्र संघवी, श्री संजय व्यास (सीतामऊ) एवं श्री श्याम भावसार द्वारा ब्लेसिंग कोर्स सफलता पूर्वक पूर्ण करने पर सम्मान किया गया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक श्री खुमान सिंह चुंडावत ने कहा कि सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने से जन कल्याण के साथ-साथ निजी एवं सार्वजनिक जीवन में शुचिता आती है। व्यक्तित्व विकास में आर्ट ऑफ लिविंग के कार्यक्रम बहुत ही लाभकारी सिद्ध हुए हैं। सभी साधकों एवं जनता से आग्रह किया है कि श्री श्री रविशंकर जी के तनाव मुक्त - हिंसा मुक्त समाज बनाने के अभियान से ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ें एवं 6 से 8 जून तक पूरे विश्व के साथ आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर नंदा नगर में हो रहे वैश्विक (ग्लोबल) सहज समाधि ध्यान योग में अवश्य भाग लें।

कार्यालय नगर परिषद गरोठ, जिला – मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक–1052/2025 | गरोठ, दिनांक – 26.05.2025

//// नामान्तरण विज्ञप्ति ////

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 150/151 के अंतर्गत निम्न सूची अनुसार नगरीय सीमा/क्षेत्र की अचल सम्पत्तियों/भवन/दुकान/प्लांटों के क्रेताओं/खरीददारों के नाम पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत हुए है। अतः जिस किसी को भी निम्नांकित नामान्तरण किए जाने हेतु किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 30 दिवस (एक माह) की समयावधि में लिखित में ठोस प्रमाण के साथ इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है, अन्यथा बाद अवधि पश्चात कोई भी आपत्ति श्रवण योग्य नहीं होकर मान्य नहीं की जावेगी एवं प्राप्त आवेदन पत्रों पर आगामी कार्यवाही की जावेगी।

//// क्रेताओं/विक्रेताओं की सूची ////

क्रं.	प्रकरण क्रमांक	विक्रेता/हस्तांतरण कर्ता का नाम	क्रेताओं के नाम हस्तान्तरण जिसके पक्ष में होना है	पता एवं वार्ड क्रमांक व मोहल्ला	आधार
1	2	3	4	5	6
1	01/2025-26	श्री जगदीश पिता रामनिवास फरक्या नि. बरखेड़ा गंगासा तहसील गरोठ	श्रीमती माया पिता बद्रीलाल भगत जाति पोरवाल नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 01 निलेश्वरी कालोनी गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
2	02/2025-26	श्री मांगीलाल कालूराम दोनों के पिता दयाराम ग्वाला निवासी गरोठ	श्री राहुल पिता नंदकिशोर मोदी नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 02 घोसी मोहल्ला गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
3	03/2025-26	श्री चंद्रशेखर पिता लक्ष्मीनारायण एवं गौरव पिता चंद्रशेखर उपाध्याय निवासी गरोठ	श्री गिरीश पिता लक्ष्मीनारायण सोलंकी नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 03 गुर्जर मोहल्ला गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
4	04/2025-26	महेशकुमार, राजेशकुमार दोनों के पिता मदनलाल चौधरी निवासी गरोठ	श्रीमती सपना पति सुनीलकुमार सोनी नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 14 कालेज रोड गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
5	05/2025-26	श्री नारायण पिता दल्ला खाती नि. गरोठ	श्रीमती मरियमबाई पति अब्दुल सत्तार लोहार नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 05 सकिना की गली गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
6	06/2025-26	श्रीमती मरियमबाई पति अब्दुल सत्तार लोहार निवासी गरोठ	श्री मो. सकील, जाकिर हुसैन, शाकिर, शहीद, रहीसा बी, रजियाबी, शोकत बी, शबनम बी सभी के पिता अब्दुल सत्तार मुसलमान नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 05 सकिना की गली गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
7	07/2025-26	श्रीमती संतोषबाई पति मनोजकुमार गुप्ता नि. गरोठ	श्रीमती उमा पति घनश्याम मेहता नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 15 मारुति कालोनी गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
8	08/2025-26	श्री बाबूलाल पिता त्रिलवा ग्वाला नि. गरोठ	श्री सत्यनारायण पिता हीरालाल सोनी नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 13 घोसी मोहल्ला गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
9	09/2025-26	सुश्री आस्था पिता संजय श्रीवास्तव नि. गरोठ	श्री पंकज पिता रामनिवास चंदेल नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 14 जनपद पंचायत के पीछे गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
10	10/2025-26	श्री जगन्नाथ पिता साकरजी उदिया नि. गरोठ	श्री देवीलाल, रमेशचंद्र, चंदीबाई, ग्यारसीबाई सभी के पिता जगन्नाथ उदिया नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 02 लक्ष्मीबाई मार्ग एवं वार्ड क्रं. 08 पोरवाल मोहल्ला गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
11	10/ए/2025-26	श्री देवीलाल, रमेशचंद्र, चंदीबाई, ग्यारसीबाई सभी के पिता जगन्नाथ उदिया नि. गरोठ	श्री देवीलाल पिता जगन्नाथ एवं श्रीमती शांतिबाई पति रमेशचंद्र व मधुबाला, महेशचंद्र, सुनीता, पप्पी, मनीष सभी के पिता रमेशचंद्र उदिया नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 02 लक्ष्मीबाई मार्ग एवं वार्ड क्रं. 08 पोरवाल मोहल्ला गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
12	11/2025-26	श्री भंवरलाल पिता शंकरलाल बागरी नि. गरोठ	श्री मांगीलाल, सत्यनारायण, गीताबाई सभी के पिता भंवरलाल बागरी नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 06 बोलिया रोड गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
13	12/2025-26	श्री सत्यनारायण पिता दुलीचंद सुतार नि. गरोठ	श्री मोहनलाल, छोटूलाल, दशरथ, गायत्रीबाई सभी के पिता सत्यनारायण सुतार नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 11 सुतार मोहल्ला गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
14	13/2025-26	श्री गोरधनलाल, छगनलाल पिता सत्यनारायण फरक्या नि. बरखेड़ा गंगासा, तह. गरोठ	श्री जितेशकुमार पिता प्रकाशचंद्र जोशी नि. साठखेड़ा तहसील. गरोठ	वार्ड क्रं. 01 गोयल कालोनी गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से
15	14/2025-26	श्री सत्यनारायण, यशोदाबाई पिता गंगाराम एवं शिव कुमार, विनोदकुमार, किरणबाला, सुमनबाला, सरोज, ज्योतिबाला, अंतिमबाला सभी के पिता श्यामलाल व्यास नि. गरोठ	श्रीमती यशोदाबाई पिता गंगाराम एवं शिवकुमार, विनोदकुमार, किरणबाला, सुमनबाला, सरोज, ज्योतिबाला, अंतिमबाला सभी के पिता श्यामलाल एवं श्रीमती चंदाबाई पति सत्यनारायण व राजनारायण जितेन्द्र दोनों के पिता सत्यनारायण व्यास नि. गरोठ	वार्ड क्रं. 13 पांडे मोहल्ला गरोठ	शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार से
16	15/2025-26	श्री प्रकाशचंद्र पिता बालमुकुंद अग्रवाल नि. गरोठ	श्री संजयकुमार पिता माणकचंद्र पोरवाल निवासी अंत्रालिया, तहसील गरोठ	वार्ड क्रं. 15 मारुति कालोनी गरोठ	रजिस्टर्ड विक्रय लेख के आधार से

श्रीमती रेखा रविन्द्रपुरी गोस्वामी, प्रभारी सदस्य राजस्व, सामान्य प्रशासन एवं लेखा विभाग समिति नगर परिषद गरोठ | राजेश सेठिया, अध्यक्ष, नगर परिषद गरोठ | महेश मालवीय, उपाध्यक्ष, नगर परिषद गरोठ | वीरेन्द्र मेहता, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद गरोठ

वैचारिक मतभेद की सजा पाते सांवरकर...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय स्वाधीनता संग्राम का इतिहास अत्यंत प्रेरणादायी एवम रोमांचकारी हे जिस ब्रिटिश साम्राज्य में कभी सूरज नही डूबता था उस साम्राज्यवाद को उनकी ही भूमि पर जाकर चुनौती देने का महान कार्य हिंदुस्तान के सपूतो ने कर के दिखाया। स्वाधीनता की चिंगारी को धधकती आग में परिवर्तित करने वाले मां भारती के ऐसे ही सपूत थे वीर विनायक दामोदर सांवरकर। बड़ी मुश्किल से और लाखो के रक्त की आहुति देकर स्वतंत्रता पाने वाले इस देश समाज को सावरकर जैसे राष्ट्रभक्त वीरो की बात समय समय पर जरूर करनी चाहिए ताकि लोगो को वे बलिदान याद रहे और उन गलतियों को दोहराने से बचे जिनके कारण मुट्ठी भर गोरो ने हमे गुलाम बना लिया। उनका पूरा जीवन राष्ट्रवाद से आत्मसात हे। वीर सांवरकर ने स्वातंत्र्य सूर्य को उदित होते देखा और स्वतंत्रता के पश्चात भी समाज और देश के लिए मार्गदर्शन करते रहे। उनके व्यक्तित्व को शब्दो मे बांधना अत्यंत कठिन हे। उनका जीवन तो अथाह सागर हे बस उसकी थाह को ढूंढते जाओ। वीर सांवरकर को दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई इस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था की मुझे प्रसन्नता हे की ब्रिटिश सरकार ने मुझे दो जीवन का कारावास दंड देकर पुनर्जन्म के सिद्धांत को मान लिया हे। ध्यान से देखे तो कितने ही महान क्रांतिकारी हुए पर इतनी अमानवीय सजा अंग्रेजो ने किसे भी नही दी। यह सजा ही सांवरकर की देशभक्ति का प्रबल प्रमाण हे। सांवरकर की काले पानी की सजा की खबर जब समाचार पत्रो में प्रकाशित हुई तो सम्पूर्ण देश में क्षोभ छा गया। ब्रिटिश सरकार के पास हजारो पत्र भेजकर उनकी मुक्ति की मांग की गई स्वयं गांधी जी ने भी इसके लिए प्रयास किया किंतु अंग्रेज सरकार ने अपना निर्णय नही बदला। अंडमान जेल सेलुलर जेल के नाम से प्रसिद्ध थी जिसका जेलर डेविड बारी था डेविड ने सांवरकर की और देखकर कहा सांवरकर तुमको 50 वर्ष यही रहना हे और पुन: यही दोहराया। तब वीर सांवरकर ने निर्भय होकर बारी को देखते हुवे कहा क्या 50 वर्ष तक अंग्रेज भारत में रह पाएंगे ? अंडमान जेल में उन्हे अनेक यातनाएं दी गई जिसका मेरा आजीवन कारावास पुस्तक में उन्होंने उल्लेख भी किया हे। मनुष्य द्वारा मनुष्य को अमानवीय यातनाएं दी जा सकती हे इसकी जीती जागती मिसाल अंडमान की जेल थी। सांवरकर ने घोर यातनाओं के बीच भी जेल की दीवारों पर कविताएं लिखकर ऐतिहासिक साहित्य का सृजन किया। समाज सुधार के क्षेत्र में उनका योगदान आज भी प्रासंगिक हे। अपने बचपन से ही सांवरकर ने समाज को त्रस्त करने वाली जाति व्यवस्था को निंदनीय पाया। सांवरकर या उनके जेसे दूसरे स्वतंत्रता सेनानियों ने कल्पना भी नही की होगी की उनके देश के लोग ही कभी उनके शोर्य, वीरता और इरादे पर प्रश्न उठाएंगे। वीर सांवरकर के साथ त्रासदी यही हे की वैचारिक मतभेदो के कारण एक महान स्वतंत्रता सेनानी, योद्धा, समाज सुधारक, लेखक और कवि को अंग्रेजों का गुप्तचर साबित करने की हृदय विदारक कोशिश होती रही हे जबकि सांवरकर अदभुत और अद्वितीय महापुरुष थे उनका राष्ट्र समर्पित जीवन हमारी आने वाली पीढ़ियों को सदेव देश सेवा के लिए आंदोलित करता रहेगा और देश सेवा के लिए हर परिस्थिति में कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

गौरव सोनी, मंदसौर

ग्रामीण क्षेत्र में कई वर्षों से जमे शिक्षकों हो तबादले

राजू सोनी

नाहरगढ़, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। क्या नवनी शैक्षणिक क्षत्र कई वर्षों सें स्थाई जमे हुवे, शिक्षकों का होगा स्थानांतरण, प्राथमिक और माध्यमिक सरकारी स्कूलों में ट्रांसफर का मुद्दा एक जटिल है, जिसके कई पक्ष और विपक्ष हैं। कुछ लोग मानते हैं कि ट्रांसफर शिक्षकों के लिए बेहतर अनुभव और विकास का अवसर प्रदान करते हैं, जबकि अन्य लोग इस बात पर जोर देते हैं कि इससे विद्यालयी माहौल में निरंतरता और स्थिरता कम हो सकती है।

शिक्षकों के लिए विकास का अवसर–ट्रांसफर शिक्षकों को नए शैक्षणिक वातावरण, नई तकनीक और नए छात्रों के साथ काम करने का अवसर प्रदान करते हैं, जो उनके विकास और कौशल को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के बारे में जागरूकता–ट्रांसफर शिक्षकों को विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों के साथ काम करने का अवसर प्रदान करते हैं, जो उनकी समझ और जागरूकता को बढ़ाते हैं।

स्थिरता और स्थिरता का अभाव–एक ही स्कूल में लंबे समय तक रहने से शिक्षक रूढ़िवादी हो सकते हैं और नए तरीकों और विचारों को अपनाने से हिचकिचा सकते हैं, जिससे शैक्षिक गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ सकता है.

अभिभावक–शिक्षक संघ से संपर्क करें–यदि आप एक अभिभावक हैं और आपको शिक्षक की मनमानी से परेशानी हो रहे है, तो आप अभिभावक-शिक्षक संघ से संपर्क कर सकते हैं। वे आपको शिक्षक के साथ संवाद करने में मदद कर सकते हैं और समस्या को सुलझाने में आपकी मदद कर सकते हैं। उच्च अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते है।

खुले दिमाग से बैठक करेंजब आप शिक्षक से बात करें, तो खुले दिमाग से रहें और उसे अपनी बात समझाने का मौका दें। शिक्षक को रक्षात्मक महसूस किए बिना उसे खुद को समझाने का मौका दें।

साहसिक रहें–यदि शिक्षक आपकी बात सुनने को तैयार नहीं है, तो आपको साहस दिखाना होगा और मामले को जिले तक आगे बढाना होगा।

किसानों से नरवाई जलाने पर 27 हजार 500 रुपए का अर्थ दंड वसूल किया

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा 1981 की धारा 19 (5) के तहत गेंहू/धान अवशेषों को खेतों मे ही जलाये जाने पर प्रतिबंधित किया गया है। जो भी व्यक्ति/संस्था यदि ऐसा करते पाए जाते है तो उसे माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा।

अनुविभागीय अधिकारी मंदसौर द्वारा जिले के क्षेत्र के 6 किसानों से गेहूं फसल की खेतों में नरवाई/ पराली जलाने पर 27 हजार 500 रुपए का अर्थ दंड वसूल किया गया। जिसमें निवासीमंदसौर के अरशाद पर 2500-रुपये व निवासी गल्याखेडी के बाबु खाँ, निवासी मंदसौर की बद्री बाई, मंदसौर की महेन्द्र कौर, निवासी नगरी के कैलाश, निवासी कचनारा के दिलीप दास पर 5000–5000 रूपये की राशि आर्थिक दण्ड अधिरोपित की गई।

52 क्वार्टर में चल रहे फर्जीवाड़े में कोई कार्रवाई नहीं

सुवासरा, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर के बहुचर्चित शासकीय आवास 52क्वार्टर में चल रहे फर्जीवाडे में अभी तक राजस्व विभाग द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। जबकि आज से डेढ महीने पहले एसडीएम शिवानी गर्ग ने तहसीलदार से प्राप्त जांच रिपोर्ट के अनुसार इसमें चल रहे फर्जीवाडे पर संबंधित लोगों को नोटिस देने और कार्रवाई करने की बात कही थी। लेकिन डेढ महीने बाद भी अभी तक राजस्व विभाग का इन लोगों के पास कोई नोटिस नहीं पहुंचा। राजस्व विभाग की उदासीनता से लगता है की विभाग इनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं करना चाह रहा है। और शासन को गुमराह किया जा रहा है। और जरूरतमंद शासकीय कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फर्जीवाडे के इस मामले में तहसील से जांच होने के 45 दिन बाद रिपोर्ट एसडीएम कार्यालय पहुंची थी। लेकिन प्रशासन की सुस्ती का अंदाजा

इसी बात से लगाया जा सकता है कि रिपोर्ट मिलने के 45 दिन बाद भी एसडीएम ने अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। इस वजह से शासकीय रसूखदार कर्मचारी अभी भी इन आवासों में निवास कर रहे हैं जबकि जरूरतमंद शासकीय कर्मचारी अभी भी आवास के लिए दर-दर भटक रहे है। तहसीलदार की जांच रिपोर्ट में 29 शासकीय कर्मचारी अवैध रूप से निवास कर रहे थे।उसके बाद भी ना तो शासन के किसी जवाबदार जनप्रतिनिधि ने इस पर ध्यान दिया। और ना ही प्रशासन ने इस कार्रवाई पर संजीदगी की दिखाई। तहसीलदार मोहित सिनम से जब कार्यवाही के बारे में जानकारी ली गयी। तो पहले उन्होंने कहा अभी तक कोई नोटिस आगे से नही आया। और बाद में बताया कि एस डी एम शिवानी गर्ग ने नोटिस सीधे संबंधितो के पास भिजवाए है। हालांकि जब जांच रिपोर्ट में जिन 29 लोगो के नाम शामिल थे। उनमें से कुछ लोगो से नोटिस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने किसी भी प्रकार के नोटिस मिलने से मना कर दिया। अब इस बात से स्पष्ट हो गया कि राजस्व विभाग के ऊपर किसी का दबाव है या विभाग के अंदर ही कोई ऐसा व्यक्ति है जिसके कारण मामले में ढिलाई बरती जा रही है।

यह था मामला– 110 साल पुराने शासकीय 52 क्वार्टर के नाम से प्रसिद्ध आवासीय 52 क्वार्टर मैं कुछ कर्मचारी अनाधिकृत रूप से निवास कर रहे। 52 क्वार्टर के नाम से प्रसिद्ध इस शासकीय भवन में 48 क्वार्टर मौजूद है। जांच रिपोर्ट में इनमें से 29 क्वार्टर में निवास कर रहे शासकीय कर्मचारी अवैध पाए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद एसडीएम में उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की बात कही है। शासकीय आवास में इस तरह से क्वार्टरों की बंदर बांट की गई जिसके कारण जरूरतमंद शासकीय कर्मचारी अभी भी निवास के लिए दर-दर भटक रहे हैं और अधिक दामों में उनको दूसरे प्राइवेट मकान में रहना पड रहा है।

आदर्श ग्राम पिपलिया कराड़िया में वट सावित्री पूजन पर संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी के निर्देशन में जन अभियान परिषद विकासखंड मंदसौर से चयनित डिगांव माली सेक्टर नवांकुर संस्था प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था के कार्यक्रम समन्वय दिनेश सोलंकी के मार्गदर्शन में आदर्श ग्राम पिपलिया कराडिया में वट सावित्री पूजन के शुभ अवसर पर महिलाओं की संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

संगोष्ठी में श्री सोलंकी ने कहा पर्यावरण संरक्षण पर कई महिलाएं वट सावित्री का व्रत कर पीपल, बड की पूजा कर अपने पति की लंबी आयु की प्रार्थना करती है। इस अवसर पर उषा सोलंकी ने कहा भारतीय की संस्कृति के अनुसार हम आज भी वृक्षों में पति, नदियों में मां और पत्थरों में ईश्वर को पुजते हैं, हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि पर्यावरण और पौधों को बचाना हमारे लिए कितना जरूरी है इसलिए हमें हमारी संस्कृति को बचाना जरूरी है आप सभी संकल्प लें कि इस वर्ष हम अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे और जल बचाओ अभियान में हमारी सभा गीता निभाएंगे माताएं बहने वट सावित्री का व्रत कर वृक्षों की पूजा कर अपने पति की लंबी आयु की प्रार्थना करती हैं। संगोष्ठी में उषा सोलंकी, सुशीला बाई पाटीदार, उमा पाटीदार, जया चौहान, यशोदा पाटीदार और गांव की कई महिलाएं उपस्थित रही।

खानपुरा स्थित शनिदेव मंदिर परिसर में महाप्रसादी सम्पन्न

समाजसेवी कोमल बाफना परिवार के द्वारा आयोजित महाप्रसादी में 20 हजार से अधिक धर्मालुजनों ने महाप्रसादी ग्रहण की

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। खानपुरा स्थित श्री शनिदेव मंदिर परिसर में शनिदेव जयंती के पावन अवसर पर समाजसेवी श्री कोमल बाफना एवं चयन बाफना परिवार के महाप्रसादी का आयोजन किया गया। निरतर 15 वर्षों सें कोमल बाफना एवं उनके पुत्र चयन बाफना के द्वारा प्रतिवर्ष शनिदेव जयंती के पावन अवसर पर महाप्रसादी का आयोजन किया जाता रहा हैं इस वर्ष भी इस परम्परा को कायम रखते हुए श्री शनिदेव जयंती पर महाप्रसादी का आयोजन हुआ। प्रात: 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक महाप्रसादी के इस आयोजन में धर्मालुजनों ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। इसके पूर्व सभी ने भगवान शनिदेव की प्रतिमा केदर्शन किये तथा उनकी प्रतिमा का तेलाभिषेक भी किया। महाप्रसादी के इस आयोजन में लगभग 20 हजार से अधिक धर्मालुजनों ने पहुंचकर महाप्रसादी ग्रहण करने का धर्मलाभ लिया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी पहुंचकर धर्मालुजनो को अपने हाथों से प्रसादी ग्रहण कराई। महाप्रसादी के इस आयोजन की व्यवस्था हरीश विजयवर्गीय, गोविन्द विजयवर्गीय, गोपाल धामनोदिया, उमेश पारिख, राकेश भावसार, अरविन्द कागला, दीपक विजयवर्गीय, चंचल आचार्य, उज्जवल मेहता आदि का भी सहयोग रहा। बाफना परिवार के द्वारा भगवान श्री शनिदेव मंदिर पर प्रात:काल भगवान शनिदेव की प्रतिमा की विशेष पूजा अर्चना एवं तेलाभिषेक भी किया गया। शनिदेव जयंती के अवसर पर भगवान शनिदेव मंदिर को आकर्षक विद्युत साज सज्जा से सजाया भी गया तथा फूलों से भी मंदिर के गर्भगृह का श्रृंगार किया गया।

पाकिस्तान, भारत से शांति वार्ता के लिए छटपटा रहा, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की पेशकश

नई दिल्ली, 27 मई। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर, आतंकवाद, जल बंटवारे और व्यापार सहित लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत के साथ शांति वार्ता में शामिल होने की इच्छा जताई। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ तेहरान में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए शरीफ ने कहा, हम कश्मीर मुद्दे और जल मुद्दे सहित सभी विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाना चाहते हैं।

शरीफ़ वर्तमान में अपने चार देशों के दौरे के दूसरे चरण में हैं, वे तुर्की से ईरान की राजधानी पहुंचे हैं। द्विपक्षीय वार्ता से पहले सादाबाद पैलेस में राष्ट्रपति पेजेशकियन ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया। बातचीत की पेशकश को आगे बढ़ाते हुए शरीफ ने एक चेतावनी नोट भी जारी किया जिसमें आक्रामकता की स्थिति में सख्त जवाब देने की चेतावनी दी गई। उन्होंने कहा कि अगर भारत आक्रामक बने रहना चुनता है तो हम अपने क्षेत्र की रक्षा करेंगे जैसा कि हमने कुछ दिन पहले किया है। लेकिन

अगर वे शांति की मेरी पेशकश को स्वीकार करते हैं तो हम दिखाएंगे कि हम वास्तव में शांति चाहते हैं।

पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच टेंशन–उनकी यह टिप्पणी 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। जवाबी कार्रवाई में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान ने 8 से 10 मई के बीच भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले करने की कोशिश की, जिसके बाद भारत ने कड़े जवाबी कदम उठाए। 10 मई को डीजीएमओ स्तर की वार्ता के दौरान संघर्ष विराम समझौते पर पहुंचने के बाद शत्रुता कम हुई। द्विपक्षीय संबंधों पर शरीफ ने कहा कि पाकिस्तानी और ईरानी प्रतिनिधिमंडलों के बीच व्यापार, निवेश और व्यापक सहयोग पर चर्चा हुई और यह बहुत ही उपयोगी और उत्पादक बैठक थी। उन्होंने कहा, इस बात पर पूरी सहमति थी कि हमारे दो भाईचारे और पड़ोसी देशों को व्यापार, निवेश, वाणिज्य वास्तव में जीवन के हर क्षेत्र में अपना सहयोग बढ़ाना चाहिए।

संसदीय क्षेत्र में न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर एनटीपीसी के अधिकारियों से मिले सांसद गुप्ता

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। संसदीय क्षेत्र के नीमच जिले में नए न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने आज दिल्ली में एनटीपीसी के प्रमुख अधिकारियों से भेट की और संसदीय क्षेत्र में नए न्यूक्लियर पावर प्लांट की संभावना को लेकर बात की सांसद गुप्ता ने बताया कि आज दिल्ली में एनटीपीसी के अधिकारियों से इस पर विस्तार से चर्चा हुई और यह प्लांट संसदीय क्षेत्र के नीमच जिले में स्थापित करने पर सहमति बन चुकी है जिले में साइड सिलेक्शन हो चुका है वह विभागीय एमओ यू साइन होकर एक टास्क फोर्स का गठन किया जा चुका है जिसमें प्लांट प्लांट की स्थापना और उससे संबंधित जरूरी प्रक्रिया को पूरी करने के लिए विभाग की टास्क फोर्स की जॉइंट मीटिंग संभव होता है।

जून माह के द्वितीय सप्ताह में हो सकती है यह प्लांट यूनिट की कैपेसिटी 4700 मेगावाट होगी वह इसमें लैंड रिक्वायरमेंट 1600 एकड के लगभग होगी प्लांट में वॉटर रिक्वायरमेंट की एन ओ सी होना शेष है जिस पर पहली बैठक में चर्चा के दौरान वाटर सोर्स और सभी आवश्यक जरूरत और विभागीय आवश्यक कार्यों की निपटान हो सकता है। सांसद सुधीर गुप्ता ने बताया कि आज दिल्ली में एनटीपीसी के प्रमुख अधिकारियों से संतोषजनक चर्चा हुई और इसके सकारात्मक परिणाम जल्द क्षेत्र को मिलेंगे ज्ञात रहे सांसद सुधीर गुप्ता एक बडे प्रोजेक्ट को लेकर दिल्ली में लगातार एनटीपीसी के अधिकारियों और मंत्री से सतत संपर्क में थे जिसके सुखद परिणाम क्षेत्र की जनता को जल्द मिलेंगे वह सांस्कृतिक क्षेत्र के साथ ही नीमच जिले में बडी विकास की अपार संभावनाएं बन जाएगी सांसद सुधीर गुप्ता ने बताया कि मोदी सरकार के मात्र 12 वर्षों में संसदीय क्षेत्र में हर क्षेत्र में बहुत विकास किया है और आगे भी प्रयास जारी रहेगा इसके लिए उन्होंने मोदी सरकार संबंधित विभाग की मंत्री और एनटीपीसी अधिकारियों को नीमच और मंदसौर संसदीय क्षेत्र के जनता की ओर से धन्यवाद प्रेषित किया है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर शुरू

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। 5 मध्यप्रदेश बटालियन एन.सी.सी., मंदसौर का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 26 मई से 04 जून तक मंदसौर में आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में नीमच और मंदसौर के विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र–छात्राएँ भाग ले रहे हैं।

शिविर के दौरान, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, करियर आदि विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा लेक्चर आयोजित किए जाएंगे, ताकि कैडेट्स को इन क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त हो सके। यह शिविर उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लाएगा, जहाँ उन्हें न केवल व्यक्तित्व विकास बल्कि सामुहिक कार्य तथा कठिन समय में दृढ़ता के साथ मुकाबला करने का और अपनी भूमिका को भी समझने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें हैं। इस शिविर में कैडेट्स फौजी जीवन से परिचित होंगे और राष्ट्र सुरक्षा से संबंधित बुनियादी जानकारी प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे हथियारों को चलाने खोलने और जोड़ने, मैप रीडिंग, और विभिन्न शारीरिक प्रशिक्षणों का अभ्यास करेंगे। शिविर में खेल प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाएंगी, जिला प्रशासन की ओर से इस शिविर के लिए यथा सम्भव सहायता प्रदान की जा रही हैं। कमान अधिकारी ने बताया कि इस वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले छात्र सैनिकों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा हर कैडेट राष्ट्र के लिए कुछ करना चाहता हैं और अपनी सेना पर उन्हें पूरा भरोसा हैं, युद्ध मे कैडेट सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करने को उत्सुक हैं। कर्नल ने यह भी कहा कि हमारे कैडेटस समाज में हमारे संदेशवाहक हैं और राष्ट्र की सुरक्षा की दूसरी पंक्ति के रूप में तैयार हैं। इस प्रशिक्षण शिविर में कैडेटस नागरिक सुरक्षा में अपनी भूमिका को समझेंगे और इसे निभाने के लिए तैयार किये जाएंगे।यह शिविर युवा मनों को अनुशासन, नेतृत्व और सेवा के मूल्यों से सशक्त करने का प्रयास है, इसका उद्देश्य एक ऐसे समाज का निर्माण है जो समृद्धि के साथ-साथ संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व से परिपूर्ण हो।

अपर कलेक्टर एवं सीईओ ने जनसुनवाई के दौरान 98 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 98 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही मंदसौर जिले के बर्डिया अमरा निवासी आवेदक शालीग्राम ने भुमि पर सिमांकन के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार गरोठ को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के नाहरगढ के मदनलाल ने ड्रोन सर्वे में मकान दर्ज कराने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर सीतामऊएसडीएम को निर्देश दिए जांच कर कार्यवाही करें। आवेदक राधेश्याम निवासी सालरीया ने भुमि सिमांकन करने के संबंध में आवेदन दिया जिस पर शामगढ तहसीलदार को निर्देश दिए जांच कर कार्यवाही करें। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान सिलिकॉसिस बिमारी से पिडितों को आर्थिक सहायता प्रदान करने, कृषि भुमि पर कब्जा व फसल नुकसान, भवन निमार्ण की मजदुरी नही मिलने, राजस्व रिकार्ड में नामान्तरण करने, मुख्यमंत्री संबल राशी प्रदान करने इत्यादि तरह-तरह के आवेदन आये।

देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती के अवसर पर भाजपा सुवासरा मंडल की संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के निर्देशानुसार एंव भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में भाजपा सुवासरा मंडल में जिला भाजपा के निर्देशानुसार देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती अंतर्गत संगोष्ठी सम्पन्न हुई। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी, कार्यक्रम जिला सह संयोजक एंव महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, मंडल अध्यक्ष दीलिपसिंह तरनोद, नगर परिषद अध्यक्ष सविता बालाराम परिहार, कार्यक्रम जिला सदस्य राधा सोनी, मंडल महामंत्री श्यामसिंह देवडा मंचस्थ रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ देवी अहिल्या बाई होल्कर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात मंडल पदाधिकारीयों द्वारा मंचस्थ अतिथियों का स्वागत किया गया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की देवी अहिल्या माता, जिन्हें अहिल्याबाई होल्कर के नाम से जाना जाता है, उनका जन्म 31 मई 1725 ईस्वी को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौड़ी गाँव में हुआ था। उनके पिता मान्कोजी शिंदे एक साधारण व्यक्तित्व के थे, जिन्होंने अपनी पुत्री को आगे बढ़ने की शिक्षा दी। अहिल्याबाई ने अपने जीवन में बहुत संघर्ष किया और मराठा साम्राज्य में अभूतपूर्व योगदान दिया। अहिल्याबाई का विवाह 8 वर्ष की आयु में खांडेराव होल्कर के साथ हुआ, जो इंदौर के संस्थापक मल्हारराव होल्कर के पुत्र थे। उनके दो बच्चे थे, मालेराव और मुक्ताबाई। अहिल्याबाई ने अपने जीवन में कई परेशानियों का सामना किया, जिसमें उनके पति और पुत्र की मृत्यु भी शामिल थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और राज्य की बागडोर संभाली। अहिल्याबाई ने अपने ससुर मल्हारराव होल्कर की मृत्यु के बाद राज्य की बागडोर संभाली और शांति और सुरक्षा की स्थापना की। अहिल्याबाई ने कई मंदिरों का निर्माण करवाया, जिनमें बनारस में अन्नपूर्णा माता का मंदिर, गयाजी में भगवान विष्णु जी का मंदिर और काशी में विश्वनाथ मंदिर शामिल हैं। सडकों और धर्मशालाओं का निर्माणरू अहिल्याबाई ने कई सडकों और धर्मशालाओं का निर्माण करवाया, जिससे यात्रियों और व्यापारियों को सुविधा हुई। अहिल्याबाई ने कई अन्नक्षेत्रों का निर्माण करवाया, जिससे गरीब लोगों को भोजन मिल सके। अहिल्याबाई ने महिला सशक्तिकरण के लिए भी काम किया और महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान किए। अहिल्याबाई होल्कर का जीवन और कार्य आज भी प्रेरणा का स्रोत है। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि संघर्ष और कठिनाइयों के बावजूद भी हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और समाज के लिए अच्छा काम कर सकते हैं।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी ने कहा की देवी अहिल्याबाई होल्कर ने कम उम्र में एक महारानी के दायित्व का निर्वहन किया साथ ही देवी अहिल्या बाई इंदौर की महारानी थी हिन्दू धर्म के तीर्थों को उन्होंने बढावा दिया और देवी के जो सिद्धांत थे आज भी भारतीय जनता पार्टी उन सिद्धांतों पर चल रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार माता अहिल्याबाई के बतायें मार्ग पर चलते हुए सांस्कृति पुन:उत्थान, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षा एंव आर्थिक समृद्धि और सुशासन के अनेको कार्य देशभर में कर रही है। मंडल संगोष्ठी में स्वागत भाषण देते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष दीलिपसिंह तरनोद ने ने रानी अहिल्या बाई होल्कर की जन्म जयंति अंतर्गत होने वाले आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर मंडल पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि शहर कांग्रेस कमेटी ने मनाई

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। आधुनिक भारत के निर्माता महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। उनकी पुण्यतिथि 27 मई मंगलवार को प्रात: 9:30 बजे पंडित नेहरू बस स्टैंड स्थित उनकी आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ पुष्पांजलि देकर उनके द्वारा किए गए क्रांतिकारी कार्यों का स्मरण किया गया । इस अवसर पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश रातड्या ने कहा कि पंडित नेहरू शुरू से ही गांधीजी से प्रभावित रहे और 1912 में कांग्रेस से जुड़े। 1920 के प्रतापगढ के पहले किसान मोर्चे को संगठित करने का श्रेय उन्हीं को जाता है। 1928 में लखनऊमें साइमन कमीशन के विरोध में नेहरू घायल हुए और 1930 के नमक आंदोलन में गिरफ्तार हुए। उन्होंने 6 माह जेल काटी। 1935 में अलमोड़ा जेल में 'आत्मकथा' लिखी। उन्होंने कुल 9 बार जेल यात्राएं कीं। उन्होंने विश्वभ्रमण किया और वे अंतरराष्ट्रीय नायक के रूप में पहचाने गए।

पूर्व विधायक एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवकृष्ण पाटिल ने कहा कि पंडित नेहरू ने 'पंचशील' का सिद्धांत प्रतिपादित किया और 1954 में 'भारतरत्न' से अलंकृत हुए नेहरूजी ने तटस्थ राष्ट्रों को संगठित किया और उनका नेतृत्व किया। शहर कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि पंडित नेहरू के कार्यकाल में लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करना, राष्ट्र और संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को स्थायी भाव प्रदान करना और योजनाओं के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को सुचारु करना उनके मुख्य उद्देश्य रहे। वह महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे। कार्यक्रम का संचालन सेवादल अध्यक्ष दिलीप देवडा ने किया एवं आभार जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अजय लोढा ने माना । कार्यक्रम में पूर्व विधायक एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवकृष्ण पाटिल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, शहर कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, प्रदेश कांग्रेस सचिव महेंद्रसिंह गुर्जर, जिला कांग्रेस पदाधिकारीगण अजय लोढा, मनजीतसिंह टुटेजा, लक्ष्मण मेघनानी, बबीतासिंह तोमर, असगर मेव, सुरेन्द्र कुमावत, राजेन्द्र सेठिया, संदीप सलोद, सुरेश भाटी, वहीद जैदी, शैलेन्द्र गोस्वामी, राजेश सोलंकी, आसिफ छीपा, कुमकुम सिसोदिया, घनश्याम चौहान, शिव शंकर सोलंकी, जगदीश जटिया, दशरथ सिंह राठौर, अकरम खान, सुनील गुप्ता, भेरूलाल कुमावत, संजय बारोठ, योगेंद्र गौर आदि सहित कांग्रेस जन शामिल हुए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in